हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 30 अगस्त 2025

11 रोजाना बरसात होने से अगेते बाजरे व कपास की...

12 खाली सीटों पर 12 सितंबर तक होंगे फिजिकल...

चकबंदी के समय खेतों में रह रहे 100 से अधिक घरों की बस्ती को मिलेगा रास्ता, 3 की बजाय 2 करम पर सहमति के आसार!

■ अटेली में बिजली निगम की जमीन के बीच में था रास्ता, बढ़ा विवाद तो ग्रीवेंस मीटिंग में बना मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अटेली शहर में चकबंदी के समय से खेतों में रहने वाले वार्ड नंबर 12 के लोग इन दिनों रास्ता नहीं मिलने से परेशान है। 100 से अधिक घरों का आवागमन बिजली निगम के 33 केवी उप केंद्र के बीचों बीच था। इस रास्ते में आवागमन बंद होने की आशंका के चलते बस्ती के लोगों ने जिला लोक-संपर्क एवं जनपरिवेदना समिति में सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा के समक्ष रखा। मुद्दा गंभीर होने के कारण मंत्री ने एसडीएम, विधायक, पूर्व विधायक एव भाजपा जिला अध्यक्ष को शामिल कर एक कमेटी गठित की। मामले की जांच की गई तो बीचों बीच तीन करम की बजाय साइड में दो करम का रास्ता छोड़ने पर सहमति बिजली निगम ने दी है। बिजली निगम के अधिकारी ने शुक्रवार ग्रीवेंस मीटिंग में आश्वासन दिया है कि इस रास्ते से जुड़े अदालत में केस वापस हो और भविष्य में जो बीचों बीच तीन करम का रास्ता है, उस पर दावा नहीं हो, ऐसा लिखित में हो जाए तो वह साइड में दो करम का रास्ता देने की पैरवी उच्च अधिकारियों के समक्ष कर सकते है। ऐसे में संभावना बन गई है कि दोनों पक्षों की सहमति बनने पर इस बस्ती के लोगों को स्थाई तौर पर मुख्य सड़क तक आने का रास्ता मिल सकता है।

यह दी थी शिकायत

अटेली शहर के वार्ड नंबर 12 में रहने वाले मुकेश, कुलदीप व मिन्टू ने ग्रीवेंस में शिकायत दी। बताया गया कि वार्ड नंबर 12 में 100 से अधिक घरों की बस्ती है जोकि चकबन्दी के समय से खेतों में रह रहें है। इसका रास्ता बिजली बोर्ड के अन्दर से जाता है लेकिन बिजली बोर्ड ने उस रास्ते को अतिक्रमण किया हुआ है। जिस समय बिजली बोर्ड को जमीन दी गई थी, उस समय वार्ड नंबर 12 के लोग बस्तीराम के घर के आगे से 16 फुट सीधी रोड छोड़ी गई थी लेकिन लोगों को कानूनी प्रक्रिया के बारे में कहा गया जो उस समय बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने यह रास्ता छोड़ दिया गया था और बस्तीराम के घर के आगे से सभी लोग रोड पर आवागमन कर रहे थे, परन्तु रास्ते को उन अधिकारियों ने हमारे नाम रिकॉर्ड में इन्द्राज नहीं करवाया और ना ही हमें बीच वाले रास्ते से आने जाने से मना किया। मांग है कि इस रास्ते को बीच की बजाय हमें मुकेश पुत्र बस्तीराम के मकान के साथ लगते हुई जमीन के सामने से एडजस्ट किया जाए। इस शिकायत और भूमि विक्रेताओं की जांच पड़ताल के लिए मंत्री ने नारनौल एसडीएम, विधायक ओमप्रकाश यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव की संयुक्त रूप से ड्यूटी लगाई गई। कमेटी यह पता करें कि क्या वसिकाओं में विक्रताओं द्वारा धोखाधड़ी करते हुए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम की जमीन में से रास्ता दिया गया है अथवा नहीं। इस निर्देश के बाद यह मामला पैंडिंग रखा गया था।

नारनौल। मंत्री के समक्ष पक्ष रखता शिकायतकर्ता।

बीच की बजाय साइड में दो करम का मिलेगा रास्ता

उक्त सभी तथ्यों को मध्यनजर रखते हुए पूर्व विधायक सीताराम यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लि. नारनौल के कार्यकारी अभियन्ता तथा सभी शिकायतकर्ताओ की उपस्थिति में यह मध्यस्थ बिन्दु निकाला गया कि हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम उत्तर दिशा मे चारदिवारी की लम्बाई जो 80 करम (पश्चिम दिशा से पूर्व दिशा की ओर) बनती है वहा से दो करम की चौड़ाई आम रास्ते के लिए छोड़ेंगे तथा पूर्व मे चारदिवारी की लम्बाई जो 124 करम (दक्षिण दिशा से उत्तर दिशा की ओर) बनती है वहां से दो करम की चौड़ाई आम रास्ते के लिए छोड़ कर अपने केन्द्र के लिए चारदिवारी का निमार्ण करेगें। इसके बदले में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के बीच से तीन करम का जो रास्ता है उसे हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के नाम करवाया जाएगा। इस सुझाव पर चयनित कमेटी सदस्य व शिकायतकर्ताओं ने अपनी सहमति दर्ज करवाई है।

जांच में यह सामने आई यह सच्चाई

एसडीएम ने जो रिपोर्ट वीरवार दी। उसमें बताया गया कि शिकायत के संबंध मे पूर्व विधायक सीताराम यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लि. नारनौल के कार्यकारी अभियन्ता और शिकायतकर्ताओं की उपस्थिति में मौका देखा गया। सामने आया कि हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने धनौन्दा गांव तहसील अटेली के वासियों की जमीन को अधिगृहण करके 33 केवी उप केन्द्र अटेली का निर्माण किया था और उसे सन 1971 में चालू किया गया था। उस समय वार्ड नंबर 12 के लोगों के लिए तीन करम का रास्ता छोड़ा गया था, जो आमजन के लिए रास्ता था तथा नारनौल-रेवाड़ी रोड पर मिलता था, परन्तु बाद में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने इस केन्द्र की क्षमता बढ़ाई और इसके अतिरिक्त व भूमि का अधिगृहण किया गया था तथा तत्कालीन अधिकारियों व निवासियों के आपसी तालमेल तथा वार्तालाप से आने जाने का रास्ता ज्यों का त्यो रहने दिया। वार्ड नंबर 12 में पूर्व दिशा में रह रहे लोगों ने शिकायत लगाई कि जब उन्हें यह प्लॉट बेचे गए थे तो विक्रेता ने यह बता कर प्लॉट बेचे थे कि इन प्लॉटों के लिए पश्चिम दिशा की ओर रास्ता है जोकि हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के बीच से तीन करम का रास्ता छोड़ा गया है, जो रोड पर मिलता है। अब जब हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने अपने इस उप केन्द्र की पैमाईश करवाकर चारदिवारी करनी चाही तो इस वार्ड में पूर्व दिशा में रह रहे लोगों ने शिकायत लगाई की, जब उन्हें यह प्लॉट बेचे गए थे तो विक्रेता ने यह बता कर प्लॉट बेचे थे कि इन प्लॉटों के लिए तीन करम का रास्ता छोड़ा था, जो रोड पर मिलता है। जिसको अब हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम अपने इस उप केन्द्र की पैमाईश करवाकर चारदिवारी करके बन्द करना चाह रहा है। जिससे वहां के निवासियों के लिए आने–जाने का रास्ता बन्द हो जाएगा।

खबर संक्षेप

पैक्स का होगा विस्तार पेट्रोल पंप लगाने की मिलेगी अनुमति

नारनौल। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने शुक्रवार यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में पूरे देश में सहकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान को लगातार आगे बढ़ा रही है और प्रदेश के सभी पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समिति) में कंप्यूटर का कार्य लगभग 70 फीसदी पूरा हो चुका है। डॉ. शर्मा ने कहा कि नई सहकारिता नीति के तहत अब पैक्स को बड़े स्तर पर ले जाया जा रहा है। इस नीति के बाद पैक्स अब अपनी आय बढ़ाने और किसानों व आम जनता को बेहतर सुविधाएं देने के लिए सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर), जन औषधि केंद्र और पेट्रोल पंप भी स्थापित कर सकते हैं। यह कदम पैक्स को और अधिक मजबूत बनाएगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

चंदपुरा की योगशाला में लगाया योग शिविर

नारनौल। आयुष विभाग की तरफ से चंदपुरा की योगशाला के प्रभारी आयुष योग असिस्टेंट अमित रोहिल्ला ने योग व ध्यान शिविर का आयोजन किया, जिसमें गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उन्होंने योग को बढ़ावा देने के लिए बताया गया कि योग जीवन के लिए काफी अहम है। लंबी आयु को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने योग की क्रियाएं भी करवाई और सूर्य नमस्कार और बहुत सारे आसनों एवं प्राणायाम से होने वाले फायदों के बारे में बताया।

परिसर में उगी बड़ी-बड़ी झाड़ियां रोगों को दे रही बुलावा

सिहमा का प्राथमिक हेल्थ सेंटर भगवान भरोसे, न डाक्टर मिलते है, न ही स्टाफ

सेंटर में वैसे तो दिन के समय करीब 100 ओपीडी रोजाना हो रही हैं, लेकिन रात्रि के समय यहां कोई नहीं मिलता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में रात्रि के समय मेन दरवाजे पर लगा ताला व प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा के बाहर झाड़ियों का बसेरा। फोटो : हरिभूमि

अटेली विधानसभा से स्वास्थ्य मंत्री होने के बावजूद भी सिहमा प्राथमिक हेल्थ सेंटर में सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। वहीं रात्रि के समय प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में पहुंचने वाले मरीज भगवान भरोसे रहते हैं। यहां रात्रि के समय इमरजेंसी में इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों के हाथ निराशा ही लगती है। डॉक्टर तो छोड़िए रात्रि स्टाफ भी अनुपस्थित रहता है। सीएम नायब सैनी सरकार जन-जन तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। सरकारी अस्पतालों को सुविधाओं और संसाधनों से लैस कर रही है, लेकिन सिहमा की माया विचित्र बनी हुई है।

गौर हो कि प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में करीब 27 गांव आते हैं। इसमें आठ सब सेंटर सिहमा, अटाली, डेरोली अहीर, दुबलाना, गुवानी, खासपुर, बड़गांव, नसीबपुर आते हैं, जिसमें लगभग 54 हजार लोगों के स्वास्थ्य का जिम्मा संभालना होता है। इस सेंटर में वैसे तो दिन के समय करीब 100 ओपीडी रोजाना हो रही हैं, लेकिन रात्रि के समय यहां कोई नहीं मिलता है।

सिहमा क्षेत्रवासी लंबे समय से स्वास्थ्य केंद्र में स्थाई चिकित्सकों की नियुक्ति और आवश्यक उपकरण मुहैया करवाने की मांग करते आ रहे हैं, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके। हरियाणा सरकार गांवों में स्वच्छता पर जोर दे रही है। वहीं सिहमा अस्पताल परिसर में इस अभियान की हवा निकलती दिख रही है। परिसर में उगी बड़ी-बड़ी झाड़ियां रोगों को बुलावा दे रही हैं।

यह बोले ग्रामीण

ग्रामीण सत्यप्रकाश, मनोज, मुकेश व विनय ने बताया सिहमा अस्पताल के बाहर झाड़ियां फैलना और डॉक्टरों का ध्यान न देना एक गंभीर समस्या है। प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव स्वच्छता का अभियान चलाया जा रहा है। अस्पताल में बरसात के समय इन बड़ी-बडी झाड़ियों में मच्छर पनपते हैं। अस्पताल के अंदर बने आवास के सामने सफाई ठीक नहीं है। रात्रि के समय अगर अस्पताल में जाते हैं तो वहां पर दरवाजे पर ताला मिलता है। यह एक गंभीर समस्या है।

सरपंच ने यह कहा

सरपंच सुमन देवी ने बताया अक्सर सिहमा अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ यहां का स्टाफ गायब रहता है। उनका गांव नारनौल विधानसभा में सबसे बड़ा गांव है, परन्तु यहां हेल्थ के नाम पर सुविधाओं का अभाव है। अभी उनके गांव में इसी माह 15 व 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं भी हुई थी। इस मेले में अनेक खिलाड़ियों दिक्कत होने पर निजी अस्पताल में उनका उपचार किया गया था। गांव में बना प्राथमिक हेल्थ सेंटर केवल नाम मात्र रह गया है। प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में स्टाफ नर्सों की अनुपस्थिति और रात्रि के समय खुलेआम चलते पंखे, दोनों ही गंभीर समस्याएं हैं। स्टाफ नर्सों के गायब होने के चलते डिलीवरी होने वाली महिलाओं के लिए खतरा हो सकता है। वहीं अस्पताल में खुलेआम चलते पंखे ऊर्जा की बर्बादी है। इन समस्याओं को ठीक करने के लिए अस्पताल प्रशासन को डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और ऊर्जा संरक्षण के उपाय करने चाहिए। रात्रि के समय नर्सों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नर्सें मरीजों की निगरानी करती हैं, दवाइयां देती हैं और आपातकालीन स्थितियों में सहायता करती हैं। यदि नर्सें गायब रहेंगी तो मरीजों को आवश्यक देखभाल नहीं मिल पाएगी, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। अस्पताल एक ऐसी जगह है, जहां मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी देखभाल प्रदान करना एक कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी है। नर्सों की अनुपस्थिति जिम्मेदारी का उल्लंघन है। जल्द ही स्वास्थ्य विभाग अगर यहां सही प्रकार से स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ नहीं दे पाता है तो ग्राम पंचायत स्वास्थ्य मंत्री से मिलेगी।

यह बोले चिकित्सक

इस मामले में अस्पताल के डॉ. दिनेश से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अस्पताल में स्टाफ की कमी है। यहां पर चार स्टाफ नर्स हैं। एक नर्स की ड्यूटी सीएससी अटेली में चल रहे टीबी कार्यक्रम में लगाई हुई है। एक नर्स के साथ दुर्घटना हो गई है। उसने 13 सितंबर तक छुट्टी ली हुई है। अस्पताल में कुल आठ सब सेंटर है। अस्पताल में स्टाफ की कमी के बारे पत्र के माध्यम से अवगत करा दिया गया है। उनका स्टाफ सभी समय पर आता है। वह खुद भी स्वास्थ्य के प्रति गंभीर है। अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों को अच्छी तरह से देखभाल कर उनको परामर्श दिया जाता है।

महेंद्रगढ़। जर्जर कमरों का निरीक्षण करते कार्यकारी प्राचार्य ओमप्रकाश यादव।

धोली स्कूल के किसी भी कमरे की हालत ठीक नहीं

■ विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाएं तथा विभाग द्वारा मांगी गई सूचना समय पर भिजवाएं : ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली के कार्यकारी प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने शुक्रवार को पाली क्लस्टर के अधीन आने वाले स्कूल राजकीय माध्यमिक विद्यालय धोली का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय में बने कमरों की जर्जर हालत की लगातार शिकायत मिलने पर उन्होंने वास्तविक स्थिति जानी तो जांच में पाया गया कि जर्जर सभी कमरों की स्थिति ठीक नहीं है। जहां उनकी छतों से प्लास्टर गिर रहा है वहीं कमरों की छतों और दीवारों से भी पानी टपकता है।

इन कमरों में बैठने वाले विद्यार्थियों को अन्य कमरों में एडजस्ट कर कमरों को सुरक्षा की दृष्टि से खाली करवा दिया गया है और जर्जर कमरों व उनके सामने बने कमरों के चारों तरफ तारबंदी कर लाल कपड़े भी बांध रखे हैं, ताकि स्कूल के किसी कर्मचारी और विद्यार्थियों के साथ कोई हादसा नहीं हो। कमरों की यह हालत देखकर कार्यकारी प्राचार्य ने स्कूल की मुख्याध्यापिका मुकेश देवी से जब इस बारे में अब तक की गई कार्रवाई के बारे में पूछा, तब मुख्याध्यापिका मुकेश देवी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से यह मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लिखित और मौखिक रूप से लाया जा चुका है, लेकिन अब तक इस शिकायत पर कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कुछ दिन पहले भी खंड शिक्षा अधिकारी से इस बारे बातचीत हुई थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि आपके द्वारा भेजे गए मामले को आगामी कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दिया है।

प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने कहा कि इस मामले में वे खुद भी उच्च अधिकारियों से बातचीत करेंगे और इसका समाधान करवाएंगे। जर्जर भवन के अलावा उन्होंने बच्चों से स्लेबस के आधार पर प्रश्न पूछकर पढ़ाई का स्तर जाना, विद्यार्थियों को मिलने वाले दोपहर के भोजन मिड-डे-मील की गुणवत्ता, साफ–सफाई आदि की जांच की। उन्होंने स्टाफ की बैठक लेते हुए कहा कि सभी अध्यापक विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें तथा जो विद्यार्थी कमजोर हैं, उन पर अधिक ध्यान दें। विभाग द्वारा मांगी गई सूचना समय पर भिजवाएं व किसी भी कार्य में कोताही न बरतने के निर्देश दिए।

महेंद्रगढ़। निर्विरोध चुने गए सदस्य को माला पहनकर स्वागत करते हुए।

प्रधान पद के लिए सुरेश व पवन के बीच होगा मुकाबला

महेंद्रगढ़। सैनी क्षेत्रीय सभा के चुनावों प्रक्रिया के दौरान शुक्रवार को नामांकन वापसी व चिह्न आवंटन किया गया। इसी दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए हथियारबंद कमांडो तैनात कर व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी। सभा भवन का ताला बंद होने के कारण प्रशासक को सड़क पर ही पंडाल लगाकर नामांकन प्रक्रिया की गई। सैनी सभा के चुनाव सात सितंबर को सैनी सभा में आयोजित किए जाएंगे। सैनी क्षत्रिय सभा के लिए जिला रजिस्ट्रार द्वारा नियुक्त प्रशासक सह निर्वाचन अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शुक्रवार को नामांकन वापसी का दिन रहा। इसके साथ सैनी क्षेत्रीय सभा के छह सदस्यों को निर्विरोध चुना गया। सभी चुनावी प्रत्याक्षियों को चुनाव चिह्न भी दिए गए है। प्रधान पद के लिए सुरेश कुमार सैनी व पवन सैनी मैदान में रह गए हैं, जबकि परमेश्वर ने नामांकन वापिस ले लिया है। उप प्रधान के लिए विजय कुमार व महादेव, सचिव पद के लिए होशियार सिंह, मनीष तथा सह सचिव पद के लिए राहुल सैनी, रामनिवास सैनी ने नामांकन किया। इसके अलावा कोषाध्यक्ष के लिए सुनील कुमार, दुष्यंत कुमार मैदान में रहे। कार्यकारी सदस्य पद के लिए छह सदस्य संजय, राधेश्याम, लक्ष्मीनारायण, विनोद, कृष्ण, दिनेश को निर्विरोध सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सात सितंबर को मतदान प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शाम को मतगणना व परिणाम घोषित किए जाएंगे।

■ कड़ी सुरक्षा के बीच उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित

■ सात सितंबर को होंगे सैनी क्षेत्रीय सभा के चुनाव

साइबर थाना टीम को मिली सफलता: महेंद्रगढ़ जिले के रहने वाले एक व्यक्ति से ठग लिए थे 20 लाख रुपये

फर्जी अधिकारी बन कर रहे थे डिजिटल अरेस्ट, गिरफ्त में आए 4 ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

साइबर अपराध की दुनिया में 'डिजिटल अरेस्ट' एक नया और खतरनाक तरीका है, जिसमें अपराधी खुद को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को ऑनलाइन फंसाते हैं। हाल ही में महेंद्रगढ़ पुलिस ने इसी तरह की ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह से जुड़े हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

यह है डिजिटल अरेस्ट का अर्थ

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का एक तरीका है, जहां अपराधी खुद को सीबीआई, ईडी, या पुलिस अधिकारी बताते हैं। वे वीडियो या ऑडियो कॉल करके पीड़ित को धमकाते हैं कि उनका नाम किसी गंभीर आपराधिक मामले में आया है, जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग। इसके बाद वे पीड़ितों को डराकर उन्हें अपने झांसे में ले लेते हैं और उनसे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। इस दौरान वे पीड़ित को लगातार वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर करते हैं, ताकि उन्हें किसी से बात करने या मदद लेने का मौका न मिले।

महेंद्रगढ़ में 20 लाख की ठगी का मामला: महेंद्रगढ़ के एक व्यक्ति को पांच जुलाई 2025 को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को टीआरएआई अधिकारी बताया और कहा कि उसका मोबाइल नंबर एक संदिग्ध बैंक खाते से जुड़ा हुआ है, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। इसके बाद उसे मुंबई के वर्ली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा गया। जब पीड़ित ने असमर्थता जताई तो ठग ने उसे एक फर्जी पुलिस अधिकारी से बात करवाई।

उस फर्जी पुलिस अधिकारी ने पीड़ित को बताया कि उसके खिलाफ सीबीआई जांच कर रही है और उसके नाम पर अरेस्ट वॉरंट जारी हो चुका है। इसके बाद उसे व्हाट्सएप पर एक फर्जी साइबर क्राइम कोलाबा मुंबई का मैसेज आया। फिर ठगों ने पीड़ित को वीडियो कॉल पर लिया और एक नकली कोर्ट की सुनवाई दिखाई, जिसमें एक व्यक्ति जज और दूसरा पुलिस अधिकारी की वर्दी में था। ठगों ने पीड़ित को डरा धमकाकर 20 लाख रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बाद में जब पीड़ित को टीआरएआई का एक मैसेज मिला, जिसमें इस तरह की ठगी से सावधान रहने को कहा गया था, तब उसे एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो चुका है। इसके बाद उसने शिकायत दर्ज कराई।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में चारों आरोपित। फोटो :हरिभूमि

पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

महेंद्रगढ़ साइबर थाना की पुलिस टीम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इन्हें मुजफ्फरनगर, मेरठ और हांसी क्षेत्र से पकड़ा गया।

* करन सिंह (मेरठ, उत्तर प्रदेश) - इसके बैंक खाते का इस्तेमाल ठगी के लिए किया गया था।
* कुलदीप (मेरठ, उत्तर प्रदेश) - यह फर्जी बैंक खाते उपलब्ध करवाता था।
* विक्की (मेरठ, उत्तर प्रदेश) - यह ठगी की गई रकम को आगे ट्रांसफर करता था।
* विकास (भिवानी, हरियाणा) - इसने जोधपुर में चेक के माध्यम से ठगी की कुछ रकम निकाली थी और वह भी रकम ट्रांसफर करने में शामिल था।

पुलिस ने आरोपित करन और कुलदीप को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि विक्की और विकास पुलिस रिमांड पर हैं।

छिपकली एक ऐसा जीव है, जिसका दिल एक मिनट में 1000 से ज्यादा बाद धड़कता है।

यंगभूमि

मच्छर पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक काटते हैं, क्योंकि उनकी त्वचा नरम होती है।

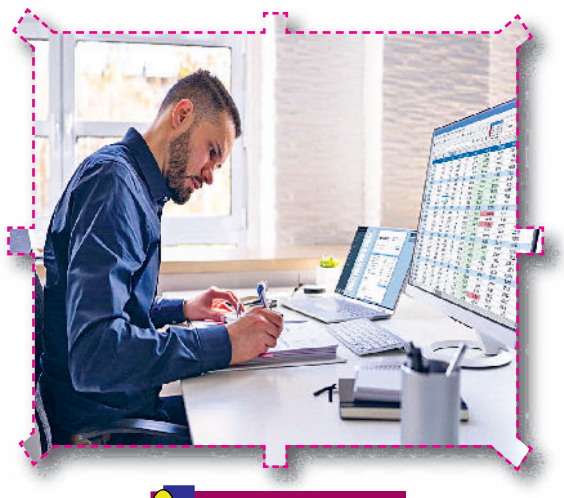

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

बिजनेस को मैनेज करने के लिए सीखें अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर

हर बिजनेस को सभी ट्रांजेक्शन सही तरीके से मेनटेन करने के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की जरूरत पड़ती है और आज के समय में बहुत सारे अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर है। जो हर बिजनेस को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं और प्रोफिट और लॉस की रिपोर्ट तथा बिजनेस की बैलेंस सीट बनाने में भी मदद करते हैं। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से ही किसी भी दुकान या कंपनी के बिजनेस को सही तरीके से मैनेज किया जा सकता है। फिल्म के अकाउंट को मैनेज करने के लिए आपको एक सॉफ्टवेयर की जरूरत पड़ती है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की जानकारी देंगे।

अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर

अकाउंट जिसे हिंदी में लेखा-जोखा कहा जाता है और अकाउंटिंग को लेखांकन के नाम से हिंदी में पुकारा जाता है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर ऐसे सॉफ्टवेयर जो अकाउंट के हिसाब को मेनटेन रखते हैं। जैसे प्रोफिट , लॉस, सेल, परचेज , एक्सपेंसिज, इंकम सबको मेनटेन करने का काम करते हैं उसे अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर कहते हैं। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग इनवोयस जनरेट के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा किसी भी बिजनेस के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हैं तो उस अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर से तैयार किए गए डाटा की हर महीना या हर तिमाही जीएसटी फिलिंग के दौरान जरूरत पड़ती है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर से ही आपकी सेल कितनी हुई है और आपको कितना प्रोफिट हुआ है। इस बात का अंदाजा लगाया जाता है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग आज के समय में किया जा रहा है। छोटे बिजनेस वाले भी इस प्रकार के सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके अपने बिजनेस के अकाउंट को पूरी तरह से मैनेज कर रहे हैं और अच्छे से सुरक्षित कर रहे हैं।

क्यों है जरूरी

किसी भी कंपनी या किसी भी दुकान से संबंधित सभी फाइनेंसियल गतिविधियों को एक ही जगह पर मैनेज करके रखना और हर समय जरूरत पड़ने पर इस प्रकार की गतिविधि को ट्रेस करना या देखना यह सभी अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की वजह से ही संभव है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग बिजनेस में इसलिए किया जा रहा है। क्योंकि जिन लोगों का बड़ा काम है या कहने का मतलब है, जिन लोगों का सालाना टर्नओवर अधिक है। उन लोगों को हाथ से सब कुछ मेनटेन करने में बहुत ज्यादा समस्या होती है और हाथ से अकाउंटिंग मेनटेन करना काफी जटिल हो जाता है। अतः इसी बात को ध्यान में रखते हुए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है और यह सॉफ्टवेयर जटिलता को कम करते हैं और कम समय में बहुत सारी सुविधाएं प्रदान कराते हैं।

सबसे अच्छे अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर

अपने बिजनेस के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग हर कोई व्यक्ति करता है। लेकिन जो लोग अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं या अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग करने के बारे में सोच रहे हैं। उन लोगों के मन में एक बात अवश्य होती है कि कौन सा अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर मेरी फर्म के लिए अच्छा रहेगा। तो हम आपको बेहतरीन अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की जानकारी नीचे प्रदान करवा रहे हैं।

अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर के फायदे

- किसी भी दुकान या कंपनी के अकाउंट कार्य को इस सॉफ्टवेयर की मदद से बहुत आसान बनाया जा सकता है।
- अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से आपको सिर्फ एक एंट्री लेनी होती है। उसके पश्चात सारा कैलकुलेशन सॉफ्टवेयर के आधार पर ऑटोमेटिक किया जाता है।
- हर पार्टी का प्रति वर्ष का स्पेशल डाटा पूरा सॉफ्टवेयर की मदद से मिल जाता है। प्रत्येक पार्टी के साथ जितना लेनदेन हुआ है और कौन सी तारीख को हुआ है उसकी सारी जानकारी सॉफ्टवेयर में आपको आसानी से मिल जाती है।
- बुक के जरिए अकाउंट मेनटेन करते समय आपको किसी भी पार्टी की डिटेल निकालने में बहुत ज्यादा समय देने की जरूरत होती थी। लेकिन अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से बिल्कुल कम समय में आप किसी भी पार्टी के पिछले कई सालों के अकाउंट की डिटेल आसानी से निकाल सकते हैं।
- बुक के जरिए अकाउंट मेनटेन करते समय आपको किसी भी पार्टी की डिटेल निकालने में बहुत ज्यादा समय देने की जरूरत होती थी। लेकिन अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से बिल्कुल कम समय में आप किसी भी पार्टी के पिछले कई सालों के अकाउंट की डिटेल आसानी से निकाल सकते हैं।
- अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से आप अपने डेटा को सुरक्षित भी कर सकते हैं। सुरक्षित करने के लिए आपको बैकअप का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा अधिकतर अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में ऑटोमैटिक बैकअप सुविधा मिलती है।

सबसे अच्छा सॉफ्टवेयर टेली प्राइम

आज के समय में बिजनेस में सबसे अधिक उपयोग होने वाला सॉफ्टवेयर टेली प्राइम है। हालांकि टेली प्राइम का पुराना नाम टेली था। जिसे टेली ईआरपी 9 में बदला गया। टेली नाम सबसे पहले बिना जीएसटी काम के लिए होता था। उसके पश्चात टेली सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करके टेली ईआरपी 9 विद जीएसटी के साथ लांच किया और उसके बाद इसका नया वर्जन जो साल 2021 में टेली प्राइम के नाम से आया है। 90% बिजनेसमैन इसी सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हैं। क्योंकि यह सॉफ्टवेयर उपयोग करने में काफी आसान है और इस सॉफ्टवेयर की मदद से हर प्रकार का डाटा अच्छे तरीके से स्टोर करके रख सकते हैं।

यह एक प्रतिष्ठित पद, कड़ी मेहनत से ही मिलती नौकरी

बेहतर भविष्य बनाना चाहते हैं तो आरटीओ ऑफिसर बन चमका सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

आरटीओ अफसर एक प्रतिष्ठित पद होता है। इस पद को प्राप्त करने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। सरकारी नौकरी का नाम सुनते ही भविष्य में सुरक्षा नाम का शब्द और भी मजबूती लेकर आता है। अगर आप भी अपना बेहतर भविष्य बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप आरटीओ ऑफिसर बनने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको इसी बात की जानकारी देने जा रहे हैं कि आरटीओ अफसर क्या होता है। आपने अक्सर ही आरटीओ ऑफिसर के बारे में जरूर सुना होगा। अगर आपके घर में गाड़ी है या किसी के पास लाइसेंस है तो इस बात की जानकारी आपको अवश्य होगी। यह सरकारी विभाग होता है जो भारत सरकार के अंतर्गत ही आता है। यह विभाग मोटर वाहन से जुड़े अधिनियम के पालन देखने को रक्षा के लिए बनाया हुआ है। मोटर वाहन विभाग की स्थापना 1988 की धारा 213 के तहत की गई थी। यह पूरे देश में लागू एक केंद्रीय अधिनियम है। प्रत्येक राज्य और शहर में अपना ही एक आरटीओ कार्यालय होता है जहां पर सब की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है।

आरटीओ की फुल फॉर्म

आरटीओ की फुल फोर्म रिजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर होता है। जिसका हिंदी में मतलब होता है क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय। आरटीओ ऑफिसर वह ऑफिसर होता है जो इन सभी दफ्तर में एक अधिकारी के तौर पर काम करता है। हर ऑफिस के लिए अलग-अलग आरटीओ ऑफिसर नियुक्त किया जाता है। सरल भाषा में ऑफिसर को इंचार्ज भी कहा जा सकता है।

आरटीओ के पद की रैंक

आरटीओ ऑफीसर ग्रेड बी का अधिकारी होता है। यह एक उच्च अधिकारी में सम्मिलित होता है जिसे अपने क्षेत्र के वाहन की जांच करने और वाहन से संबंधित सभी प्रकार के डॉक्यूमेंट की जांच करने का अधिकार प्राप्त होता है।

वाहन जांच करने और चालान काटने का अधिकार

आरटीओ ऑफिसर को करने पड़ते हैं ये काम

अगर आप भी आरटीओ ऑफिसर बनने की चाहत रखते हैं तो इसके लिए आपको इस बात की जानकारी रखना बहुत ही ज्यादा जरूरी है, कि आखिरकार आरटीओ ऑफिसर के क्या-क्या काम होते हैं। तो आइए आपको बताते हैं कि आरटीओ ऑफीसर क्या काम करता है।

1. ड्राइविंग लाइसेंस : आपने अक्सर ही ड्राइविंग लाइसेंस के बारे में सुना होगा। जब किसी वाहन को चलाया जाता है तो उसको चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना बहुत ही ज्यादा जरूरी होता है। यह लाइसेंस आरटीओ डिपार्टमेंट के द्वारा ही मिलता है। ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कुछ ड्राइविंग के टेस्ट देने भी अनिवार्य होते हैं। जब हम इन टेस्ट में पास हो जाते हैं तभी हमारा लाइसेंस बनता है। यह काम आरटीओ ऑफिस में होता है।

2. वाहन का रजिस्ट्रेशन : जब कोई नया वाहन खरीदता है तो उस पर कानूनी आधार पर हक पाने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होता है। बिना नंबर प्लेट के कोई भी गाड़ी चलाना गैरकानूनी माना जाता है। यह काम भी आरटीओ डिपार्टमेंट का ही होता है। रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आपको आरटीओ ऑफिस में जाना ही पड़ता है।

3. प्रदूषण का टेस्ट : आरटीओ टीम के द्वारा गाड़ियों का प्रदूषण लेवल भी टेस्ट किया जाता है, जिस वाहन में ज्यादा प्रदूषण होता है उनका लाइसेंस कैंसल कर दिया जाता है। समय-समय पर प्रदूषण का टेस्ट अनिवार्य होता है।

4. बीमा : अगर आप अपने वाहन का इंश्योरेंस करवाना चाहते हैं तो इसके लिए भी आपको आरटीओ डिपार्टमेंट में जाना ही जरूरी होता है। यह काम आरटीओ ऑफीसर के द्वारा ही किया जाता है। अगर आपको अपनी गाड़ी का बीमा करवाना है तो आपको आरटीओ ऑफिस में जाना ही पड़ेगा। यह सभी काम आरटीओ ऑफीसर को करने होते हैं। इसी के साथ आरटीओ ऑफीसर की पोस्ट भी अलग-अलग होती है लिए आपको उन सभी की जानकारी देते हैं।

कैसे बन सकते हैं आरटीओ ऑफिसर

- गाड़ियों का पंजीकरण भारतीय सरकार के विभाग के द्वारा ही किया जाता है जिसे आरटीओ डिपार्टमेंट कहा जाता है। लेकिन आरटीओ ऑफिसर बनने के लिए बहुत ही ज्यादा कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। आइए आपको विस्तार में समझाते हैं कि आरटीओ ऑफिसर कैसे बन सकते हैं।
- आरटीओ ऑफीसर के लिए सीधा चयन नहीं होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आरटीओ या आईएमवी के पद पर चयनित होना पड़ता है। इसके कुछ सालों बाद ही आरटीओ के पद पर नियुक्ति होती है।

क्या है जरूरी योग्यता

- सबसे पहले उम्मीदवार को 12वी पास होना अनिवार्य होता है।
- अगर आप इसमें और भी अधिक हाई पोस्ट प्राप्त करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन में पास होना अनिवार्य है।
- इस पद के लिए महिलाएं और पुरुष दोनों ही समान पूर्वक आवेदन कर सकते हैं।
- आरटीओ ऑफिसर बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 साल है और अधिकतम आयु सीमा 30 साल है।
- ओबीसी उम्मीदवार के लिए 3 साल तक की छूट दी जाती है और एससी और एसटी के लिए 5 साल तक की छूट दी जाती है।
- बाकी सभी राज्यों की अलग-अलग आयु सीमा क्वालिफिकेशन अलग-अलग निर्धारित की जाती है।

लिखित परीक्षा की जानकारी

- आरटीओ की जो लिखित परीक्षा होती है वह 2 घंटे की होती है। इसमें 200 अंक का पेपर जारी किया जाता है और उसी के अनुसार प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें निम्नलिखित सब्जेक्ट से संबंधित प्रश्न किए जाते हैं।
- आर्थिक और सामाजिक विकास
- पर्यावरण और पारिस्थितिकी
- भारत का इतिहास और भूगोल
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वर्तमान घटनाक्रम
- अंग्रेजी भाषा
- सामान्य विज्ञान

शारीरिक परीक्षण

- लिखित परीक्षा पास करने के बाद फिजिकल टेस्ट होना भी अनिवार्य होता है। इसी के अनुसार नौकरी में पद निर्धारित किया जाता है।
- अगर आप सुरक्षा से संबंधित नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं तो इसके लिए फिजिकल टेस्ट और मेडिकल टेस्ट का मानक अलग-अलग होता है और अगर आप अन्य पद के लिए आवेदन कर रहे हैं तो उसका स्टैंडर्ड भी अलग होता है।
- फिजिकल टेस्ट और मेडिकल टेस्ट के द्वारा उसे विभागीय संस्था के योग्य और अयोग्य ही आपको घोषित किया जाता है और उसी के अनुसार आपको पद भी दिया जाता है। इसीलिए उम्मीदवार को उसमें भी उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।
- फिजिकल टेस्ट चयन प्रक्रिया लड़की या लड़का माप तोल विभिनता के अनुरूप ही होता है जैसे की लंबाई सीना दौड़ इत्यादि सभी को निर्धारित करते हुए फिजिकल टेस्ट किया जाता है। पुरुष अभ्यार्थी के बजाएं महिला अभ्यर्थी को कुछ चीजों में छूट भी दी जाती है।

यह देश हमारा है, शिक्षा हमारी दिशा और हम युवा इस देश का भविष्य

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आजादी का दिन हर भारतीय के दिल में एक खास जगह रखता है। अगस्त वह महीना है जब हमारा प्यारा भारत 1947 में आजाद हुआ, जब अनगिनत वीरों ने अपनी जान की बाजी लगाकर हमें स्वतंत्रता का अनमोल तोहफा दिया। यह दिन केवल झंडा फहराने या उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि उन बलिदानों को याद करने का है, जो हमें आजादी की सांस लेने का मौका दे गए। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि यह देश हमारा है, शिक्षा हमारी दिशा है, और हम युवा इस देश का भविष्य हैं। यह हमें याद दिलाता है कि यह देश हमारा है, और इसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी है। शिक्षा हमारी दिशा है, जो हमें सही रास्ता दिखाती है, और हम युवा इस देश का भविष्य हैं, जो इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

यह देश हमारा है, इसे संजोएं

हमारा भारत एक ऐसा देश है, जिसकी मिट्टी में बलिदान, संस्कृति और प्रेम की कहानियां बसी हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने खून-पसीने से इस देश को आजाद कराया ताकि हम खुली हवा में सांस ले सकें। यह देश हमारा घर है, हमारी पहचान है, और हमारा गर्व है। इस देश को सिर्फ एक भौगोलिक सीमा न समझें, यह आपके सपनों, उम्मीदों और जिम्मेदारियों का प्रतीक है। हर बार जब आप अपने देश का झंडा लहराते देखें, तो अपने दिल में यह संकल्प लें कि आप इस देश को और सुंदर, समृद्ध और मजबूत बनाएंगे। यह देश आपका है, इसे प्यार करें, इसे संजोएं और इसके लिए कुछ करें।

शिक्षाः हमारी दिशा, हमारी ताकत : शिक्षा वह दीया है, जो अंधेरे को दूर करता है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल आजादी के लिए लड़ा, बल्कि एक शिक्षित और जागरूक भारत का सपना भी देखा। डॉ. भीमराव अंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महानायकों ने शिक्षा को देश की प्रगति का आधार माना। शिक्षा आपके लिए केवल किताबें और डिग्रियां नहीं, बल्कि वह हथियार है, जो आपको और आपके देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। जब आप पढ़ते हैं, तो आप न केवल अपने लिए, बल्कि अपने देश के लिए एक बेहतर भविष्य गढ़ते हैं। हर किताब, हर पाठ, और हर सवाल आपको इस देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा देता है। अपनी शिक्षा को गंभीरता से लें, क्योंकि यह आपकी और देश की दिशा तय करती है।

युवाः देश का धड़कता दिल : युवा किसी भी देश का सबसे बड़ा खजाना होते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे युवाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को आजाद कराने का बीड़ा उठाया। आज का युवा, यानी आप, इस देश का धड़कता दिल हैं। आपकी ऊर्जा, आपके सपने, और आपका जुनून भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। आपके पास वह शक्ति है, जो दुनिया बदल सकती है। आपका हर कदम, हर फैसला, और हर मेहनत इस देश को प्रभावित करती है। स्वतंत्रता दिवस आपको यह याद दिलाता है कि आप केवल एक छात्र नहीं, बल्कि इस देश के भविष्य के निर्माता हैं। अपने सपनों को बड़ा रखें, अपने लक्ष्यों के लिए मेहनत करें, और कभी हार न मानें। आपका एक छोटा-सा प्रयास भी देश को गर्व का मौका दे सकता है।

जीवन में चुनौतियां आएंगी

स्वतंत्रता की लड़ाई आसान नहीं थी। यह अनगिनत बलिदानों, दर्द और दृढ़ संकल्प की कहानी है। रानी लक्ष्मीबाई की तलवार, गांधीजी की अहिंसा, और सुभाष चंद्र बोस की हुंकार हर कहानी हमें साहस और हिम्मत की प्रेरणा देती है। जीवन में चुनौतियां आएंगी, असफलताएं आएंगी, लेकिन स्वतंत्रता सेनानियों की तरह आपको कभी हार नहीं माननी। हर बार जब आप गिरें, और मजबूती से उठें। आपके भीतर वह साहस है, जो पहाड़ों को हिला सकता है। अपने डर को पीछे छोड़ें और अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

एकता और भाईचारा : स्वतंत्रता संग्राम में हर धर्म, जाति, और क्षेत्र के लोग एक साथ आए। यह एकता ही थी, जिसने हमें आजादी दिलाई। आज भी, हमारा देश अपनी विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। अपने दोस्तों, सहपाठियों और समाज के हर व्यक्ति का सम्मान करें। एक-दूसरे की मदद करें, एक-दूसरे को प्रेरित करें। जब आप एकजुट होंगे, तो कोई भी मुश्किल आपको रोक नहीं पाएगी। यह देश तभी मजबूत होगा, जब हम सब एक-दूसरे का साथ देंगे।

जिम्मेदारी का एहसास : स्वतंत्रता का मतलब सिर्फ आजादी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। हमारे वीरों ने हमें यह आजादी इसलिए दी ताकि हम अपने देश को दुनिया में सबसे ऊंचा स्थान दिलाएं। आप इस देश के भविष्य हैं। छोटी-छोटी चीजों से शुरुआत करें। अपने स्कूल को स्वच्छ रखें, पर्यावरण की रक्षा करें, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं।

सामान्य ज्ञान

1. साबुन के पतले झाग में चमकदार रंगो का बनना किस परिघटना का परिणाम है
(ए) भूलीं परावर्तन और व्यतिकरण
(बी) बहुलित अपवर्तन और परिक्षेपण
(सी) अपवर्तन और परिक्षेपण
(डी) ध्रुवण और व्यक्तिकरण

2. वाहन पीछे से आने वाली वस्तुओं को देखने के लिए किसका प्रयोग करते हैं ?
(ए) उत्तल लेंस
(बी) अवतल लेंस
(सी) उत्तल दर्पण
(डी) अवतल दर्पण

3. निम्न में से क्या वायुमण्डलीय अपवर्तन का परिणाम नही है
(ए) सूर्य का अपने वास्तविक उदय से दो या तीन मिनट पहले दिखाई पड़ना
(बी) सूर्य का सूर्यास्त के समय लाल दिखाई देना
(सी) रात के समय तारों का टिमटिमाना
(डी) सूर्य का आकाश में अपनी वास्तविक ऊंचाई से ज्यादा ऊंचाई पर दिखाना

4. रोगियों के दांत देखने में दन्त चिकित्सकों द्वारा प्रयुक्त दर्पण होता है -
(ए) उत्तल
(बी) अवतल
(सी) समतल
(डी) इनमे से कोई नहीं

5. वाहनों के अग्रदीपों में किस प्रकार का दर्पण का इस्तेमाल होता है
(ए) समतल दर्पण
(बी) उतल दर्पण
(सी) अवतल दर्पण
(डी) परवलयिक दर्पण

6. दाढ़ी बनाने के लिए काम में लेते है
(ए) अवतल दर्पण
(बी) समतल दर्पण
(सी) उतल दर्पण
(डी) इनमे से कोई नही

उत्तर 1.(ए) 2.(सी) 3.(बी) 4.(बी) 5.(डी) 6.(ए)

खबर संक्षेप

नारनौल। विद्यार्थियों को शपथ संस्थान के शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खंगवाल ने किया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। इसी श्रृंखला में 29 से 31 अगस्त तक हरियाणा के सभी संस्थाओं में इसका आयोजन किया जाना है। विनोद खंगवाल ने बच्चों को किसी एक खेल को अपनाकर नियमित रूप से उसे खेलने का संदेश देते हुए बताया कि खेलों को अपनाकर हम हमारे शरीर को मजबूत और राष्ट्र निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, वालीबाल, क्रिकेट सहित विभिन्न प्रतियोगिता आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अंतिम दिन साइकिल रैली का आयोजन भी किया जाएगा। मौके पर संस्थान के कार्यालय अधीक्षक सत्यनारायण जांगड़ा, कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुनील कोसलिया, मेजर वीरेंद्र सेकवाल, जगदीश, गुरदयाल, राजेश, अमित, मनीषा यादव व सुदर्शन आदि मौजूद रहे।

अधिक बरसात में किसानों की खरीफ की कमाई डूबने का खतरा, किसान चिंतित

रोजाना बरसात होने से अगेते बाजरे व कपास की फसलों में नुकसान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इस बार मानसून सीजन में इंद्रदेव बेशक से पूरी तरह मेहरबान बना हुआ है, लेकिन आए दिन हो रही बरसात खरीफ सीजन के लिए खतरा बन गई है। यदि आने वाले दिनों में और बरसात हुई तो इस बार किसानों के लिए खरीफ सीजन की कमाई बरसात के पानी में डूब सकती है। अगेते बाजरे एवं कपास की फसलों में मामूली नुकसान होना शुरू हो गया है। इसको लेकर किसान अभी से आशंकित हैं तथा उनके माथे पर चिंता की लकीरें उभरी हुई हैं, क्योंकि खरीफ सीजन में अच्छी बरसात होने से अबकी बार बंपर पैदावार होने एवं रिकार्ड तोड़ कमाई होने की किसानों ने उम्मीदें पाली हुई हैं।

बता दें कि जिला महेंद्रगढ़ वैसे तो कृषि प्रधान जिला है, लेकिन यहां का भू-भाग एवं पर्यावरण मरू भूमि से मिलता-जुलता है। इस कारण न केवल अक्सर बरसात में कमी रहती है, बल्कि बरसात में साल-दर-साल कमी आने के कारण जिले में कई ब्लॉक डार्क जोन तक केंद्रीय भू-जल बोर्ड द्वारा घोषित किए हुए हैं, लेकिन अबकी बार मानसून सीजन जबरदस्त चल रहा है। जोरदार बरसात का ही परिणाम है कि इस बार एक जून से 29 अगस्त तक 639 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है।

अकेले अगस्त माह के ही आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक जिले में 173 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि इस दौरान पूर्व में सामान्य तौर पर महज 133.4 मिलीमीटर बरसात ही होती रही है, लेकिन इस बार रिकार्ड टूट रहे हैं और सामान्य से 30 प्रतिशत अधिक बरसात हो चुकी है। पिछले मानसून सीजन में जिला महेंद्रगढ़ में 335.2 मिलीमीटर बरसात होती रही है, लेकिन इस बार मानसून ने धमाका कर रखा है और अब तक 639 मिलीमीटर यानि लगभग दोगुनी बरसात हो चुकी है। जो सामान्य से 107 प्रतिशत ज्यादा दर्ज की जा चुकी है, जबकि अब पिछले लगभग दस दिनों से रोजाना कभी दिन में तो कभी दोपहर एवं रात को झमाझम बरसात हो रही है।

नारनौल। रोजाना बरसात होने से खाली खेत में भरा पानी। व बाजरे के खेत में लगे सिट्टे। फोटो : हरिभूमि

निरंतर बरसात से फसलों में नुकसान

निरतंर बरसात से खरीफ की बाजरा एवं कपास की फसलों को नुकसान होना शुरू हो गया है। ज्यादा नमी बनने से इन दोनों ही फसलों में खराबा शुरू हो चुका है। अगेते बाजरे के सिट्टों में ही बाजरा जामने यानि उगने लगा है, वहीं काटे जा चुके बाजरे गलने लगे हैं। उनकी सिट्टे लगभग खराब होने शुरू हो चुके हैं। हालांकि पछेते बाजरे, यानि जो अभी खेतों में खड़ा है, उनमें नुकसान का ज्यादा खतरा नहीं है। यदि बरसात अभी एक-दो दिन में रूक जाती है और आसमान में अच्छी तेज धूप खिलती है तो इससे बाजरा ही नहीं, खरीफ की सभी फसलों को फायदा हो सकता है, लेकिन बरसात और आगे चली तो उससे फसलों को नुकसान होने का पूरा खतरा बना रहेगा। कई खेतों में बाजरा अधिक बरसात के कारण पसर भी चुका है। पसरे हुए बाजरे को सिट्टा एवं डंठल दोनों ही पानी में गल सकते हैं।

जलभराव से लोग हुए तंग

रोजाना ही बरसात होने से अब केवल शहर ही नहीं गांवों में भी जगह-जगह जलभराव हो गया है। गांवों में कच्चे रास्तों में पानी भरने से निकलने को जगह नहीं है, वहीं शहर में भी निचले इलाकों खासकर गली-मोहल्लों में जलभराव की समस्या है। रास्ता नहीं मिलने एवं रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित होने से लोग अब अधिक बरसात से तंग महसूस करने लगे हैं।

यह बोले कृषि अधिकारी

कृषि विशेषज्ञ अधिकारी डा. हरपाल सिंह यादव ने बताया कि फिलहाल तक बरसात ठीक है, लेकिन यह आगे और बढ़ी तो नुकसान का खतरा बढ़ जाएगा। अगेते बाजरे एवं कपास को ज्यादा नुकसान हो जाएगा। खड़े पछेते बाजरे एवं ग्वार को कम खतरा है।

नारनौल। पौधरोपण करते बैंकर्स। फोटो : हरिभूमि

एसडी विद्यालय में बैंकर्स ने किया पौधरोपण

कनीना। कपूरी मार्ग स्थित एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में बैंकर्स ने पौधारोपण कर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भारतीय स्टेट बैंक की जिला स्तरीय शाखा के मुख्य प्रबंधक हरजीत सिंह ने कहा कि वृक्ष हमारे मित्र हैं। वृक्ष हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। हरजीत सिंह ने विद्यार्थियों को पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ का संदेश देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे प्रकृति संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उनके सानिध्य में विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रजाती के करीब सैंकडों पौधे लगाए गए। वहीं विद्यार्थियों की ओर से पौधारोपण कर देखरेख करने भी संकल्प लिया गया है। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की है। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में जागरूकता बढती है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य ओमप्रकाश, सीईओ आरएस यादव सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कनीना। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राव रामचंद्र कनीना के छात्रों ने जूडो कराटे में लहराया परचम

कनीना। शिक्षा विभाग की ओर से हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय जूडो कराटे प्रतियोगिता में राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल कनीना के छात्रों ने परचम लहराया है। इस प्रतियोगिता में अंडर 19 वर्ग में छात्र हिमांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस जीत ने विद्यालय को शीर्ष स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं अंडर 17 वर्ग में अरविंद व नीरज ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही अंडर 14 वर्ग में रोनिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय कोच महेश कुमार को दिया। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा व संस्था के अध्यक्ष रोशनलाल यादव का विशेष धन्यवाद किया। संस्था के अध्यक्ष रोशनलाल यादव ने छात्रों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया। प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम है।

यदुवंशी स्कूल के छात्रों ने जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी स्कूल के प्रतिभाशाली छात्रों ने कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता हाल ही में एसडी स्कूल ककराला में आयोजित की गई। विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। डीपीई सुभाषचंद यादव व नवीन यादव ने बताया कि कठिन मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यदुवंशी स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लग्न और साहस के दम पर विजयी होकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें अंडर-19 में लक्ष्य यादव पुत्र कैलाश चंद, ध्रुव यादव पुत्र सचिन ने प्रथम स्थान, मोहम्मद फैजल पुत्र तलीब, नरेंद्र पुत्र रामकिशन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-14 में अंश पुत्र ब्रजपाल सिंह ने प्रथम व गौरव पुत्र कुलदीप सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

स्कूल प्रागंण में पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधक द्वारा विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व उचित ईनाम देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि हमारे विद्यालय के इन खिलाड़ियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। यह उपलब्धि न केवल हमारे विद्यालय के लिए गर्व का स्रोत है बल्कि उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो अपने जीवन में बड़े सपने देखते हैं।

चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, धैर्य और संघर्ष का पाठ पढ़ाते हैं, और आज हमारे विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया कि समर्पण, मेहनत और लगन के साथ सफलता निश्चित है। इस सफलता के पीछे इन खिलाड़ियों की अथक मेहनत, दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर अभ्यास का योगदान है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ज्ञानकोष-ए-ग्लोबल स्कूल में हुई खेल स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

खरखड़ा आकोदा स्थित ज्ञानकोष-ए-ग्लोबल स्कूल में मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय में खेलों का शुभारंभ सीईओ राकेश कुमार व प्राचार्य रामनिवास यादव ने रिबन काटकर किया। विद्यालय में बच्चों की रेस, फुटबॉल के मैच, लेमन रेस, टैग आफ वार, हर्डल रेस आदि प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें सभी बच्चों ने हिस्सा लिया। प्राचार्य रामनिवास यादव ने बताया कि विद्यालय में सभी बच्चों को चार हाउस में बांटा गया, जिसमें चरक, कषाद, सुश्रुत, नागार्जन। प्रतियोगिता में ओवरऑल कषाद हाउस चैंपियन रहा।

उन्होंने बताया कि लड़कियों की टीम में प्रथम स्थान कषाद व प्रथम स्थान लड़कों की टीम में सुश्रुत हाउस रहा। लड़कियों की फुटबॉल में प्रथम स्थान सुश्रुत व लड़कों में प्रथम स्थान कषाद रहा। 100 मीटर रेस में अंडर 14 आयु वर्ग में कक्षा पांचवीं का छात्र लक्षण प्रथम तथा द्वितीय कक्षा छठी का छात्र पूर्वी रहा। इसके अलावा अंडर 14 लड़कों में प्रथम भावेश, द्वितीय हितेश रहा। लड़कों की अंडर 14 आयु वर्ग में प्रथम मनीष, आदित्य, आयुष व कार्तिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 आयु वर्ग की 200 मीटर रेस में सक्षम प्रथम, वीर प्रताप द्वितीय व अनुभव तृतीय स्थान पर रहा।

सीईओ राकेश कुमार ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिता बहुत जरूरी है, जिससे बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास हो सकता है। उन्होंने सभी बच्चों को खेल भावना से खेलने की अपील की। इसके साथ-साथ इस सफल आयोजन के लिए कोऑर्डिनेटर तनु यादव, डीपीई नरेश, डीपीई रविंद्र को बधाई दी। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जन्म दिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाकर हम गौरान्वित महसूस कर रहे हैं।

महेंद्रगढ़। रिबन काटकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए।

सीएम लाडो लक्ष्मी योजना से प्रदेश की महिलाओं को देंगे सम्मानः यतेंद्र राव

नारनौल। भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा की महिलाओं के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण को लेकर गंभीर है और जो वादे जनता से किए गए थे, उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। राव ने बताया कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित हरियाणा के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में लगातार सकारात्मक कार्य कर रहे हैं। हाल ही में कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय महिलाओं के लिए लाभकारी और ऐतिहासिक बताया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की शुरुआत की जाएगी, जिससे पात्रता के आधार पर लाखों महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह सम्मान निधि दी जाएगी। इस योजना के माध्यम से सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का कार्य कर रही है। राव ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार धरातल पर आमजन से जुड़ी हुई है और उनकी समस्याओं को समझते हुए योजनाएं बना रही है। सरकार की "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास" की नीति के तहत समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही, अब नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है।

मॉडर्न स्कूल में प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

खेल दिवस पर मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया कि खेल दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा पहली से पांचवी के बीच 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर, लेमन स्पून, रस्साकशी सहित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता करवाई गई।

100 मीटर रेस में कक्षा पांचवी से मोहित ने प्रथम, पीयूस ने द्वितीय व गौरव ने तृतीय, लड़कियों की 100 मीटर की दौड़ में लवली ने प्रथम, रिया ने द्वितीय व शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लेमन स्पून रेस में प्रिया ने प्रथम, संध्या ने द्वितीय व लवन्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जलेबी रेस में नव्या ने प्रथम, मिनाक्षी ने द्वितीय व हिमांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकस्सी में कल्पना चावल हाउस की टीम ने राव तुलाराम हाउस को पटखनी दी। लड़कों की लेमन स्पून रेस में दिपांशु ने प्रथम, ईशांत ने द्वितीय तथा हिमालय व जतिन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा भी विभिन्न प्रतियोगिता करवाई गई।

चेयरमैन ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में चल रही विभिन्न प्रकार की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिमांशी पुत्री सत्यवान ने शॉटपुट प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी दावेदारी सुनिश्चित कर ली है। इसके साथ-साथ स्कूल की छात्रा नव्या, पायल व सुमित ने अंडर-14 कबड्डी टीम में चयनित होकर राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में जिले का नेतृत्व करेगी।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

लाडो लक्ष्मी योजना सीएम नायब सिंह सैनी का सराहनीय कदमः ओमप्रकाश

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा है कि हरियाणा सरकार की लाडो लक्ष्मी योजना से गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के जीवन में खुशहाली आएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के इस कदम की सराहना की, इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय बताया। उन्होंने बताया कि यह योजना 25 सितंबर 2025 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर शुरू होगी। इसके तहत, हरियाणा की 23 वर्ष या उससे अधिक उम्र की पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 की आर्थिक मदद मिलेगी।

इस योजना का लाभ विवाहित और अविवाहित दोनों ही महिलाएं उठा सकती हैं। विधायक नेकहा कि पहले चरण में उन परिवारों को शामिल किया गया है जिनकी वार्षिक आय एक लाख से कम है। आने वाले समय में, सरकार धीरे-धीरे अन्य आय वर्ग के लोगों को भी इस योजना में शामिल करेगी। योजना का लाभ लेने के लिए, अविवाहित महिला या विवाहित महिला के पति का हरियाणा में पिछले 15 सालों से मूल निवासी होना जरूरी है। इस योजना की खास बात यह है कि परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई रोक नहीं है। अगर किसी परिवार में तीन महिलाएं पात्र हैं, तो तीनों को इसका लाभ मिलेगा। ओमप्रकाश यादव ने बताया कि इस योजना से जुड़ने वाली महिलाओं को भविष्य में भी कई फायदे मिलेंगे। जो अविवाहित लाभार्थी 45 साल की हो जाएंगी, वे खुद ही विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना के लिए पात्र हो जाएंगी। इसी तरह, 60 साल की होने पर वे अपने आप वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन योजना के लिए पात्र हो जाएंगी। पहले चरण में लगभग 19 से 20 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार जल्द ही इस योजना का नोटिफिकेशन जारी करेगी और एक ऐप भी लॉन्च करेगी, जिससे पात्र महिलाएं घर बैठे ही आवेदन कर सकेंगी। सभी पात्र महिलाओं की सूची ग्राम पंचायतों और वार्डों में भी लगाई जाएगी ताकि कोई भी उस पर अपनी आपत्ति दर्ज करा सके।

भूमि पूजन | जन सेवाओं के विस्तार के लिए भवन की अहम जरूरत

भवन तैयार होने के बाद जरूरतमंदों को मिलने लगेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

जन सेवाओं के विस्तार के लिए भवन की अहम जरूरत है। जिसके माध्यम से सुविधाएं दी जा सकती हैं। ये विचार डीसी मॉडल ग्रुप संस्थान के प्रबंध निदेशक भारत भूषण गुप्ता ने कनीना में सेवा भारती द्वारा आयोजित भवन के भूमि पूजन समारोह में उपस्थित जनों के समक्ष व्यक्त किए। डीएवी शिक्षण संस्था के समीप रेवाडी रोड पर आयोजित समारोह में उन्होंने संस्था की ओर से संचालित किए जाने वाले कार्यों का व्याख्यान किया। उन्होंने कहा कि यहां पर चेरिटेबल स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध चिकित्सकों सहित फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध होगी। आमजन को इसका लाभ मिलेगा। समारोह की अध्यक्षता आरपीएस शिक्षण संस्थान के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका प्रधान कनीना डॉ. रिंपी लोढ़ा व मुख्य वक्ता के रूप में प्रताप सिंह उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि आज का समारोह सेवा भारती द्वारा इस क्षेत्र में की जा रही लोक सेवा के कार्यकलापों का विस्तार है तथा इसके माध्यम से आम जनमानस को बेहतर सुविधाएं दी जा सकेगी। भूमि पूजन पंडित प्रवेश दास ने करवाया तथा मंच संचालन प्रवक्ता सचिन शर्मा ने किया। समारोह में पंहुचे प्रसिद्ध व्यक्तियों ने आर्थिक रूप से सहयोग किया। वहीं नपा चेयरपर्सन की ओर से साफ सफाई व अन्य प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर सेवा भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल, अध्यक्ष सुरेश शर्मा, मंडल प्रमुख जगदीश गुप्ता, अशोक सिंघल, प्रचार प्रमुख योगेश अग्रवाल, अरुण मित्तल, रामजीवन मित्तल, सिग्नस अस्पताल के डॉ. अंकित श्रीवास्तव, प्रताप यादव, अरुणा कौशिक, नरेश शर्मा, महेश कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित सिंगला, ओमप्रकाश निशानियां, गौरी शंकर गर्ग, विजय जिंदल, शाखा संरक्षक शिवकुमार अग्रवाल, नवीन मित्तल, श्याम सुंदर, दीपक चौधरी आदि मौजूद थे।

कनीना। कार्यक्रम में भाग लेते शहर के लोग। फोटो : हरिभूमि

गणेश उत्सव के दूसरे दिन भक्तों ने की गजानन की विशेष पूजा-अर्चना

नारनौल। शहर के नलापुर रोड पर श्री सिद्धी विनायक सेवा मंडल की ओर से श्री गणेश महोत्सव में दूसरे दिन दीपक शास्त्री ने मुख्य यजमान स्वर्णकार समाज के प्रधान राजेन्द्र सोनी से सपरिवार गणेशजी का पूजन व आरती करवाई। संस्था के वरिष्ठ सदस्य जगभूषण वर्मा व संस्था के सदस्य सुरेंद्र जैन ने बताया कि गणेश महोत्सव का दूसरा दिन श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के सम्मानित नागरिकों के साथ बडी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। यहां गणेश महोत्सव दस दिनों तक चलता है। उन्होंने बताया कि कि गणेशजी की प्रातः व रात्रि मे भव्य महा आरती का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें अब की बार आजादी की 79 वां साल होने पर एक विशेष थीम व ऑपरेशन सिंदूर पर भी विशेष प्रदर्शनी आयोजित होगी। इस अवसर पर संदीप चौधरी, सचिन गर्ग भोले, गोपाल शर्मा, दीपांशु, गौरव सोनी, सोनू, बॉबी जैन, आशु, कैलाश पंडित,रितेश, विकास, मोहन, अनिल आदि मौजूद थे।

प्रदेश स्तरीय विश्वकर्मा महाकुंभ 17 को रोहतक में होगा आयोजित

कनीना। भगवान विश्वकर्मा का प्रदेश स्तरीय पूजा दिवस समारोह आगामी 17 सितंबर को रोहतक की आनाज मंडी में आयोजित किया जाएगा। जिसमें जिला के लोग बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। जांगिड़ सभा के जिला अध्यक्ष अशोक पैकन ने बताया कि प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले इस समारोह में दूर-दराज से आए प्रतिनिधि हिस्सा लेंगें। उन्होंने बताया कि जांगिड़ समाज की ओर से इससे पूर्व गांव, खंड एवं जिला स्तर पर मनाया जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष प्रदेश स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्यातिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। समारोह में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा भी शिरकत करेंगें।

सूचना

मैं, अशोक कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद निवासी कोटिया, तहसील कनीना, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री नक्षिता शर्मा का जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है और जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम सपना देवी उर्फ सपना शर्मा दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरी पत्नी का सही नाम सपना शर्मा है। मेरी पत्नी के सभी कागजातों में नाम सपना शर्मा है जो कि बिल्कुल सही व दूरस्त है। मेरी पुत्री नक्षिता शर्मा के जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम सपना शर्मा SAPNA SHARMA किया जावे।

सार्वजनिक सूचना

मैं श्रीकृष्ण पुत्र शम्भू सिंह वासी पुरानी सराय नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र शाशांक व उसकी पत्नी पंकज कुमारी मेरे कहने सुनने से बाहर है और आए दिन घर में लड़ाई करते रहते हैं। इसलिए मैं उनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

महीनेभर में शुरू हो सकता है नए भवन का काम

ऑटो मार्केट के समीप दो एकड़ में बनाया जाएगा नपा का नया कार्यालय, साढ़े चार करोड़ की लागत से आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस, एजेंसी को वर्कऑर्डर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

शहर के ऑटो मार्केट के समीप नगर पालिका का नया कार्यालय बनाया जाएगा। नगर पालिका अधिकारियों की माने तो महीनेभर में इसका काम शुरू हो सकता है। दो एकड़ में बनने वाले नए कार्यालय में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत आएगी।

नपा की ओर से हायर की गई एजेंसी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। नपा के अधिकारियों का दावा है कि अगले माह नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला नपा का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। करीब तीन दिन पहले ही नगर पालिका अधिकारियों ने ऑटो मार्केट के मिट्टी के सैंपल लैब भेजे हैं। बता दें कि फिलहाल नगर पालिका कार्यालय शहर के मुख्य बाजार में स्थापित है। ऐसे में बाजार में दुकानों के सामने सामान रखने से अतिक्रमण के चलते अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधियों को आवागमन में परेशानी बनी रहती है। साथ ही पार्किंग के अभाव वाहन परिसर के अंदर खड़े होने से आमजन के कार्यालय संबंधी कार्य प्रभावित होते है। वहीं नगर पालिका का भवन छोटा होने के कारण कर्मचारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अब नया भवन के बनने से स्टाफ व पार्षदों को बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होगी। साथ ही अतिक्रमण व वाहन पार्किंग की समस्या से निजात भी मिल पाएगी।

महेंद्रगढ़। ऑटो मार्केट में मिट्टी के सैंपल उठाते नगर पालिका के कर्मचारी।

32 साल पुराना है भवन

महेंद्रगढ़ नगर पालिका प्रदेश सबसे पुरानी नगर पालिकाओं में से एक है। इसके भवन का निर्माण वर्ष 1993 में हुआ था। फिलहाल नगर पालिका में 15 वार्ड है। इसके अलावा दो पार्षद राज्य सरकार की ओर से मनोनीत हैं। नगर पालिका को 32 साल बाद अपना नया भवन मिलेगा। इसके लिए पालिका प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। वर्ष 1993 में बनी इस इमारत में काफी कमियां आ चुकी हैं। वहीं भवन छोटा होने के कारण कर्मचारियों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। नया भवन बनने के बाद आमजन के साथ-साथ नगर पालिका के कर्मचारियों को भी काफी राहत मिलेगी।

केवल आठ कमरों में चल रहा भवन

वर्तमान में शहर में करीब 21 हजार वोट है, जबकि शहर की आबादी करीब 60 हजार है। वहीं नगरपालिका भवन मात्र आठ कमरे है। जो नाकाफी है। वहीं केवल पार्षदों की मीटिंग हॉल भी छोटा है, जिससे नगर पालिका की बैठक के समय काफी परेशानी आती है। नया भवन मिलने के बाद काफी सहूलियत होने वाली है।

ये सुविधाएं मिलेंगी

कार्यालय में तीन मंजिला भवन होगा। ग्राउंड फ्लोर पर एडमिन ब्रांच होगा, जहां चेयरमैन, सचिव आदि के अलग-अलग कक्ष होंगे। इसी फ्लोर पर एक कांफ्रेंस हाल भी होगा। जहां पर एमई, जेई, पटवारी, बीआई के कक्ष होंगे। इसके अलावा अकाउंट ब्रांच भी इसी फ्लोर पर होगी। दूसरे फ्लोर पर महिला और महिला–पुरुषों का अलग-अलग रैन बसेरा बनाया जाएगा। सभी फ्लोर पर पानी और शौचालय की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा भवन में लिफ्ट भी लगाई जाएगी। इसके साथ शॉपिंग कॉम्पलैक्स व सार्वजनिक पार्किंग की सुविधा भी होगी।

साढ़े चार करोड़ की लागत से बनेगा नया भवन

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि टेंडर संबंधित सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। एजेंसी का वर्क ऑर्डर भी जारी किया जा चुका है। अगले माह नए भवन का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। नए भवन के निर्माण में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत आएगी।

खबर संक्षेप

शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना नप का लक्ष्य

नारनौल। हरियाणा स्वच्छता अभियान 2025 के तहत नारनौल में सफाई मित्रों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य उनकी कार्यकुशलता और कार्यक्षमता को बढ़ाना था। इस प्रशिक्षण का आयोजन नगर निगम के डीएमसी रणवीर सिंह की देखरेख में हुआ। डीएमसी ने बताया कि नगर परिषद का लक्ष्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सफाई मित्रों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और ऐसे प्रशिक्षण सत्र उनकी भूमिका को और भी मजबूत बनाएंगे। हमारा प्रयास है कि नारनौल शहर स्वच्छता के मामले में एक मिसाल बने।

धोखाधड़ी मामले का एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 4 जून को आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। केस की जांच पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को सौंपी गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में सुठानी निवासी बबीता को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पुलिस एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने पर पुलिस ने 5 जून को ससुराल पक्ष के लोगों पर केस दर्ज किया था। इस मामले में राजस्थान के बीरबास निवासी मंदीप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

एटीएम कार्ड बदलने का आरोपी वारंट पर

धारूहेड़ा। पुलिस ने लगभग सात साल पहले एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकालने के आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने केस की जांच के बाद पुलिस ने पलवल के घाघोट निवासी साकिर को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। वह अन्य मामले में जेल में बंद चला आ रहा है। पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे फिर से जेल भेजने के आदेश हुए।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। रोहड़ाई क्षेत्र में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 3 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे।

पीजी कोर्स के लिए दोबारा ओपन किया पोर्टल

खाली सीटों पर फिजिकल काउंसिलिंग के तहत 12 सितंबर तक होंगे दाखिले

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से पीजी कोर्स में खाली सीटों को देखते हुए लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से पीजी कोर्स में खाली सीटों को देखते हुए शुक्रवार से पोर्टल एक बार फिर से खोल दिया गया है। विभाग की ओर से जारी आदेशों के अनुसार कॉलेज प्रबंधन की ओर से स्नातकोत्तर में फिजिकल काउंसिलिंग के तहत दाखिले लिए जा रहे है।

दाखिला प्रक्रिया 12 सितंबर तक जारी रहेगी। बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 16 जुलाई से 28 जुलाई तक आवेदन प्रक्रिया चली थी। 17 से 29 जुलाई तक ओटीपी के माध्यम से विद्यार्थी अपने आवेदन में बदलाव कर सकते थे। 17 से 29 जुलाई तक आवेदन पत्रों की जांच शुरू हुई थी। 30 जुलाई को पहली प्रोविजिनल मेरिट लिस्ट जारी हुई थी। वहीं 31 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी की गई थी। एक अगस्त से चार अगस्त तक पहली मेरिट लिस्ट शामिल विद्यार्थियों को फीस जमा कर दाखिला लेने का समय दिया गया है। पांच अगस्त को फिजिकल काउंसिलिंग के तहत दाखिला ओपन हुए थे। इसके बाद छह अगस्त से आवेदन के लिए पोर्टल से फिर से ओपन हुआ था। 12 अगस्त तक विद्यार्थी 100 रुपये लेट फीस के साथ आवेदन कर दाखिला लिया था। इसके बाद 13 से 19 अगस्त तक प्रतिदिन 100 रुपये लेट फीस देकर आवेदन करने का अवसर दिया गया था। इसके बाद दाखिला प्रक्रिया बंद हो गई थी। लेकिन कॉलेजों में काफी संख्या में सीटे खाली रह गई थी। खाली सीटों को देखते हुए विभाग की ओर से एक बार फिर से पोर्टल ओपन कर दिया है। विद्यार्थियों को आवेदन के लिए आवेदन पत्र की प्रति, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), आय प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आनी होगी।

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़। फोटो: हरिभूमि

खाली सीटों का विवरण

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ

कोर्स	कुल सीट	खाली सीट
ज्योग्राफी	40	01
एमए अंग्रेजी	40	7
एमकॉम	40	4

राजकीय महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ़:

कोर्स	कुल सीट	खाली सीट
एमए अंग्रेजी	50	10
हिंदी	50	00
कैमेस्ट्री	40	04

राजकीय महाविद्यालय अटेली

कोर्स	कुल सीट	खाली सीट
एमएससी कंप्यूटर	60	12
एमए अंग्रेजी	40	13
एमकॉम	80	15
एमए संस्कृत	60	45

राजकीय महाविद्यालय सतनाली

कोर्स	कुल सीट	खाली सीट
कैमेस्ट्रि	40	01
ज्योग्राफी	40	03
इतिहास	40	00

प्रवेश समिति से संपर्क करें

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रभा पूर्णा ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शेष बची हुई सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से दाखिले होंगे। जिन विद्यार्थियों का नाम प्रथम मेरिट सूची में नहीं आया है वह महाविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर संबंधित प्रवेश समिति से संपर्क कर सकते हैं। जिन विद्यार्थियों ने आनलाइन फीस जमा कर दी है, उनके लिए अपने प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी समय पर संबंधित समिति को जमा कराना आवश्यक है। यदि कोई विद्यार्थी प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी जमा नहीं करता है तो उसका डेटा विश्वविद्यालय को नहीं भेजा जाएगा।

हसला की जिला कार्यकारिणी में पांच उपप्रधान नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन (हसला) के जिला प्रधान अरविंद यादव माजरा ने राज्य संयुक्त सचिव राधेश्याम नरवारा, लीगल सैल पदाधिकारी सतीश शर्मा कौशिक से सलाह एवं विचार-विमर्श करने उपरांत जिला स्तर की कार्यकारिणी का गठन कर दिया है, जिसमें पीएम श्री राकवमावि नांगल चैधरी के वरिष्ठ प्रवक्ता रघुवीर पटेल को जिला संरक्षक, रावमावि मुकंदपुरा की प्रवक्ता शर्मिला यादव को महिला सैल की संयोजक एवं राकमावि बाघोत से सुनीता यादव को महिला सैल की सह-संयोजक बनाया गया है।

इसी प्रकार रावमावि जौरासी से पुष्पा देवी, रावमावि बूढ़वाल से भूपेन्द्र सिंह, चंपा देवी पीएम श्री अटेली से दलीप कुमार, रावमावि बेवल से विक्रांत सेन व रावमावि सतनाली से दीवान सिंह को उपप्रधान बनाया गया है। रावमावि कांवी से जितेन्द्र भारद्वाज को महासचिव, मॉडल संस्कृति महेन्द्रगढ़ से डा. योगेन्द्र को मुख्य सलाहकार, रावमावि निवाजनगर से नगेन्द्र सिंह को सचिव, रावमावि जैलाफ से धर्मसिंह को प्रेस प्रभारी तथा महताब सिंह को सहसचिव नियुक्त किया गया है। जिला प्रधान यादव ने बताया कि ये नियुक्तियां स्टेट अध्यक्ष के साथ–साथ अटेली खंड प्रधान हंसराज यादव, कनीना खंड प्रधान सुबेसिंह चैहान, नारनौल खंड प्रधान रामनिवास लंबोरा, नांगल चौधरी खंड प्रधान चरण सिंह बडेसरा, महेंद्रगढ़ खंड प्रधान विक्रम आकोदा एवं जिले के अनेक प्रवक्ताओं से विचार–विमर्श करने उपरांत की गई हैं और यह कार्यकारिणी सशक्त, मजबूत एवं प्रभावशाली सिद्ध होगी।

अरविंद यादव माजरा, जिला प्रधान।

इस अवसर पर जिला एवं समस्त खंड प्रधानों ने इन नव-नियुक्त किए गए पदाधिकारियों से उम्मीद जताई कि इन सभी का मिल-जुलकर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक सहयोग मिलता रहेगा।

सीजेएम ने ली नवनियुक्त पैनल अधिवक्ताओं की बैठक

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने अपने कार्यालय में नवनियुक्त पैनल अधिवक्ताओं की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीजेएम नीलम कुमारी ने नवनियुक्त पैनल अधिवक्ताओं कानूनी सहायता मामलों की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कोई भी आमजन हेल्पलाइन नंबर 15100 व डीएलएसए हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर फोन कर कानूनी जानकारी ले सकता है। उन्होंने कहा कि आगामी 13 सितंबर को नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सभी पैनल अधिवक्ता गांव में आयोजित होने वाले कानूनी जागरूकता शिवरों में लोगों को जागरूक करें ताकि वह अपना केस लगवा कर अपना केसों का निपटारा करवा सके। इसके अलावा उन्होंने डीएलएसए की ओर से संचालित विभिन्न गतिविधियों और योजनाओं तथा संबंधित मामलों पर चर्चा की।

नारनौल। समीक्षा बैठक लेते एडीसी सुशील कुमार।

समाधान शिविर को लेकर एडीसी ने की समीक्षा बैठक

नारनौल। नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार सभी उपमंडलों में सोमवार और गुरुवार को समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी पहल की समीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने लघु सचिवालय में एक बैठक की। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य इन शिविरों में आने वाले हर नागरिक को उसकी समस्या का जल्द और प्रभावी समाधान देना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी शिकायतकर्ता असंतुष्ट होकर न लौटे। अतिरिक्त उपायुक्त ने बारी-बारी से सभी विभागों से लंबित शिकायतों और उनके समाधान की प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने अधिकारियों को समाधान प्रक्रिया में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी शिकायत बेवजह लंबित न रहे। उन्होंने यह भी जोर दिया कि शिकायतकर्ता को समाधान के बारे में तुरंत सूचित किया जाए। इस पहल का उद्देश्य है कि हर नागरिक को समय पर सरकार की योजनाओं तथा सेवाओं का लाभ मिले।

ट्रैक पर इंटरलॉकिंग व दोहरीकरण के कार्य का निरीक्षण

- दोहरीकरण से इस ट्रैक पर रेलवे की स्पीड 120 किमी. प्रति घंटा होगी: श्रीनिवास
- अटेली स्टेशन पर दोपहर तीन बजे मोटर ट्राली से पहुंचे सेफ्टी कमिश्नर।

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

रेवाड़ी-रींगस रेल मार्ग का अटेली से कुंड स्टेशन के बीच दोहरीकरण व इंटलाकिंग कार्य पूर्ण होने पर रेल लाइन संरक्षण का निरीक्षण करने के लिए शुक्रवार को रेलवे के सेफ्टी कमिश्नर ई. श्रीनिवास अटेली स्टेशन पर पहुंचे और अटेली, काठूवास एवं कुंड रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रेक के पैरामीटर, पुल, प्वाइंट आदि का भी बारीकी से निरीक्षण किया।

उनके साथ जयपुर मंडल के डीआरएम रवि जैन, सीईओ पवन गुरावारा, डिप्टी सीईओ राकेश कुमार समेत रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने गहन निरीक्षण किया। रेल कमिश्नर स्पेशल ट्रेन से कुंड पहुंचे तथा वहां से मोटर ट्राली से रेल लाइन का गहन निरीक्षण किया। कुंड रेलवे स्टेशन पर तो स्पेशल गाड़ी में कमिश्नर पहुंचे। उसके बाद ट्राली से 13 किमी. का निरीक्षण किया। रेल गाड़ियों की स्पीड बढ़ाने के लिए एक स्पेशल ट्रायल भी होगा। उसके बाद रेलवे को सुरक्षा का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इससे गाड़ियों के आवागमन सुगम मेंटेनेंस का कार्य बढ़ेगा। सीईओ पवन गुरावारा ने बताया कि रेवाड़ी तक इसको दोहरीकरण करना हमारी योजना में है, लेकिन रेवाड़ी यार्ड का कार्य पूरा होने के बाद मार्ग पर स्पीड व गाड़ियों की संख्या बढ़ेगी। रेवाड़ी तक दोहरीकरण का कार्य करने हमारे लिए चुनौती है।

मंडी अटेली। स्टेशन के समीप रेलवे पटरियों का निरीक्षण करते सेफ्टी कमिश्नर व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

निरीक्षण के बाद चलेंगी ट्रेन

बता दें कि रेलवे लाइन दोहरीकरण के कार्य सहित स्टेशन पर चल रहे निर्माण एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण के कमिश्नर व उनके साथ आई टीम के शीर्ष अधिकारियों ने करीब डेढ़ घंटे तक स्टेशन व रेलवे लाइन पर बारिकी से निर्माण कार्य निरीक्षण किया। रेल मार्ग पर 29 अगस्त तक अधिकांश ट्रेनों का आवागमन रुका हुआ है। कमिश्नर के निरीक्षण के बाद मार्ग पर ट्रेन चलने के उम्मीद है। वहीं स्टेशन का सौंदर्यीकरण व नवीनीकरण का कार्य भी तीव्र गति से चला हुआ है। कमीशन के आगमन को लेकर रेलवे के बड़े अधिकारियों का पिछले एक सप्ताह से जमावड़ा बना हुआ था। इस कारण अटेली, कुंड सहित विभिन्न स्थानों के होटल बुक कर रखे थे। रेल लाइन का दोहरीकरण व इंटरलॉकिंग के कार्य के चलते जयपुर, बीकानेर सहित विभिन्न स्थानों के रेल अधिकारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई | सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने ली जिला लोकसंपर्क एवं जनपरिवेदना समिति की बैठक

हर रोज 11 से 1 बजे के बीच जनता की समस्याएं सुनने और शहरों में घूमकर कमियां दूर करने के डीएमसी को निर्देश

'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' महिलाओं के हित में लिया गया बड़ा फैसला : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए "दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना" को लागू करने का निर्णय लेकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

शर्मा आज स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित जिला लोक-संपर्क एवं जनपरिवेदना समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले जनसुनवाई के दौरान उन्होंने पहले से ही निर्धारित 12 मामलों की सुनवाई की। सहकारिता मंत्री ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर को इस योजना का शुभारम्भ होगा। इस योजना के तहत पात्र सभी महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर संभावित पात्र महिला को एसएमएस भी जाएगा कि इस योजना के लिए आप पात्र हैं। विधानसभा सत्र के संबंध में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी राजनीति कर रहे हैं और सदन में सरकार द्वारा दिए गए आंकड़ों को सुनना नहीं चाहते हैं। जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जवाब देना शुरू किया तो विपक्ष वॉकआउट कर गया। विपक्ष का रवैया लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। इससे पहले नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि नए निर्माण कार्यों के दौरान अधिकारी 100 साल के विजन को ध्यान में रखें ताकि कई दशक तक उससे संबंधित समस्या ना आए। उन्होंने विशेष कर नई सड़के, पानी व सीवरेज की पाइपलाइन तथा बिजली की लाइनों के संबंध में निर्देश दिए कि इन पर पूरा फोकस किया जाए। उन्होंने डीएमसी को निर्देश दिए कि वे सभी नगर परिषद तथा नगर पालिकाओं का दौरा करके विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें ताकि शहरी नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर रोज 11:00 से 1:00 तक अधिकारी नागरिकों की समस्याएं सुनें।

नारनौल। जनपरिवेदना समिति की बैठक में नागरिकों की समस्याएं सुनते सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा।

ये रहे मौजूद

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने नारनौल आगमन पर सहकारिता मंत्री का स्वागत किया तथा आश्वासन दिया कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव, नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी, पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार तथा नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।